भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, 2021

हाल ही में केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) द्वारा भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (India International Science Festival- IISF) का 7वां संस्करण लॉन्च किया गया।

प्रमुख बिंदु

- **भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के बारे में:**
    - वर्ष 2015 में शुरू किया IISF एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसे देश का सबसे बड़ा मंच माना जाता है। यह विश्व के छात्रों, जनता, शोधकर्त्ताओं, नवप्रवर्तनकर्त्ताओं और कलाकारों को लोगों एवं मानवता की भलाई के लिये विज्ञान का अभूतपूर्व अनुभव प्राप्त करने के लिये एक साथ लाता है।
- **आयोजन:**
    - IISF 2021 का आयोजन विज्ञान भारती के सहयोग से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग**, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, **वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद**) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
    - IISF 2021 का आयोजन गोवा के पणजी में 10 से 13 दिसंबर तक किया जाएगा।
- **नोडल एजेंसी:**
    - **राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र,** जो कि MoES के तहत एक स्वायत्त संस्थान है इसकी नोडल एजेंसी है।
- **वर्ष 2021 की थीम:**
    - समृद्ध भारत के लिये विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में रचनात्मकता का जश्न मनाना।
        - यह भारत की **आज़ादी का अमृत महोत्सव** की भावना और विचार को भी प्रतिबिंबित करेगा, जिसका उद्देश्य वर्ष 2022 में भारतीय स्वतंत्रता के 75 गौरवशाली वर्षों को चिह्नित करना है।

विज्ञान भारती

- स्वदेशी विज्ञान आंदोलन 'भारतीय विज्ञान संस्थान-बंगलूरू' में कुछ प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा प्रोफेसर 'के.आई. वासु' के मार्गदर्शन में शुरू किया गया था।
    - इस आंदोलन ने धीरे-धीरे गति पकड़ी और राष्ट्रीय संगठन के रूप में उभरा।
- वर्ष 1991 में अखिल भारतीय स्तर पर स्वदेशी विज्ञान आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया और इसे 'विज्ञान भारती' नाम दिया गया।
- इसका एक उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों को अधिक रचनात्मकता और मौलिकता के लिये प्रेरित करना है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-international-science-festival-2021